Total No. of Questions : 07] **[SET-B]** **[Total No. of Printed Page : 1**

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

चतुर्थ सेमेस्टर

4 MAHIN 3

प्रश्न पत्र– तृतीय

वैकल्पिक – जयशंकर प्रसाद

Time : 03 Hrs. **MM : 70**
MM : 25

नोट :– किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. नाटक के तत्वों के आधार पर 'स्कंदगुप्त' नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्र.2. 'जयशंकर प्रसाद के नाटकों में कल्पना और ऐतिहासिकता का सुंदर समन्वय है। पाठ्य नाटकों के आधार पर विस्तृत विवेचना कीजिए।

प्र.3. प्रसाद जी भारत को 'अरूण यह' और 'मधुमय देश' क्यों कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्र.4. 'चंद्रगुप्त' नाटक के पुरूष पात्रों में आपको कौन सा पात्र प्रभावशाली लगा उसका चरित्र चित्रण कीजिए।

प्र.5. मोहन राकेश की प्रयोग धर्मिता एवं नाट्य शिल्प की विस्तृत विवेचना कीजिए।

प्र.6. देश-काल और वातावरण की दृष्टि से 'अजात शत्रु नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्र.7. निम्न पर टिप्पणीं लिखिए।
(i) सुरेन्द्र वर्मा का साहित्यिक योगदान
(ii) चाणक्य का चरित्र
(iii) आधे अधूरे नाटक की अभिनेयता

-----x-----

Total No. of Questions : 07] **[SET-B]** **[Total No. of Printed Page : 1**

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

चतुर्थ सेमेस्टर

4 MAHIN 3

प्रश्न पत्र– तृतीय

वैकल्पिक – जयशंकर प्रसाद

Time : 03 Hrs. **MM : 70**
MM : 25

नोट :– किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. नाटक के तत्वों के आधार पर 'स्कंदगुप्त' नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्र.2. 'जयशंकर प्रसाद के नाटकों में कल्पना और ऐतिहासिकता का सुंदर समन्वय है।' पाठ्य नाटकों के आधार पर विस्तृत विवेचना कीजिए।

प्र.3. प्रसाद जी भारत को 'अरूण यह' और 'मधुमय देश' क्यों कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्र.4. 'चंद्रगुप्त' नाटक के पुरूष पात्रों में आपको कौन सा पात्र प्रभावशाली लगा उसका चरित्र चित्रण कीजिए।

प्र.5. मोहन राकेश की प्रयोग धर्मिता एवं नाट्य शिल्प की विस्तृत विवेचना कीजिए।

प्र.6. देश-काल और वातावरण की दृष्टि से 'अजात शत्रु नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्र.7. निम्न पर टिप्पणीं लिखिए।
(i) सुरेन्द्र वर्मा का साहित्यिक योगदान
(ii) चाणक्य का चरित्र
(iii) आधे अधूरे नाटक की अभिनेयता

-----x-----